पशु आहार संयोजन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा नवयुवकों के रोजगार व जीविकोपार्जन हेतु पशुपालन की जानकारी देने हेतु एक माह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की समाप्ति पर पशुपालक को गाय–भैसों के आहार संयोजन पर ज्ञान प्राप्त करने के अवसर प्राप्त होंगे। पाठ्यक्रम को इस प्रकार बनाया गया है कि पशुपालक स्वयं अपना डेयरी फार्म स्थापित कर अन्य पशुपालकों को जानकारी प्रदान कर सकता है। इस पाठ्यक्रम को करने हेतु न्यूनतम आठवीं कक्षा उतीर्ण होने की अनिवार्यता है।

1. **पाठ्यक्रम का नाम – पशु आहार संयोजन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम**
2. **उद्देश्य** – पाठयक्रम का लक्ष्य उद्यमी कुशलता को विकसित करना है जिससे की पशुपालक स्वयं का फार्म विकसित कर सके जिसका उद्देश्य निम्न हैः
   अ. नवयुवक पशुपालकों की उद्यमी कुशलता को बढ़ाना।
   ब. पश उत्पादन को आजीविका के स्त्रोत हेतु अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
   स. वैज्ञानिक आधार पर संतुलित पशु आहार प्रंबंधन हेतु पशुपालकों को प्रोत्साहित करना।
   द. सुविकसित फार्मों पर पशु आहार संयोजन पर प्रशिक्षण देना।
3. **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि** – एक माह।
5. **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)
6. **शुल्क राशि** – 1000/– रू.
7. **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
11. **संपर्क सूत्र** – डॉ. दिनेश जैन, सहायक आचार्य, पशु पोषण विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 8003300472

12. पाठ्यक्रम – निम्नानुसार

सैद्धांतिक

1. राजस्थान राज्य में पशुपालन की स्थिति।
2. पोषक तत्व – प्रकृति एवं कार्य – कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज तत्व व जल।
3. गाय व भैंस – आहार संघटक।
4. गाय व भैंस का पाचन तंत्र – पाचन व उपापचय।
5. पोषक तत्वों की आवश्यक मात्रा को प्रभावित करने वाल कारक।
6. गाय व भैंस के लिए पशु आहार के सिद्धान्त।
7. गाय व भैंस के लिये जरूरी आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा।
8. गाय व भैंस में पोषण संबंधी कमियां।
9. गाय व भैंस के लिए वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता
10. गाय व भैंस के आहार में आहार पूरिपूरक तत्वों की भूमिका।
11. प्रीबायोटिक, प्रोबायोटिक, एंटीकॉक्सिडिअल व टॉक्सिन–बाइन्डर की महत्ता।
12. गाय व भैंस के आहार में विटामिन की आवश्यकता।
13. गाय व भैंस के आहार में खनिज लवण की आवश्यकता।
14. अपांरपरिक खाद्य पदार्थों का गाय व भैंस के आहार में उपयोग।
15. आहार सूत्रीकरण।

<u>प्रायोगिक</u>

1. सामान्यतया प्रयोग में आने वाले आहार संघटकों की पहचान – ऊर्जा स्त्रोत, प्रोटीन स्त्रोत, पादप व जंतु आहार संघटक।
2. आहार उत्पादन – गाय व भैंस की विभिन्न अवस्थाओं हेतु आहार का निर्माण।
3. डेयरी फार्म भ्रमण।
4. पशु आहार संयंत्र भम्रण।